# कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369


# मौसम आधारित कृषि परामर्श

**भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान**

| मौसम कारक | 20.04.2024 | 21.04.2024 | 22.04.2024 | 23.04.2024 | 44.04.2024 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान (से.) | 41.0 | 41.0 | 42.0 | 42.0 | 42.0 |
| न्यूनतम तापमान (से.) | 26.0 | 26.0 | 27.0 | 27.0 | 27.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 40 | 40 | 35 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 15 | 15 | 20 | 20 | 15 |
| हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा) | 16 | 16 | 14 | 14 | 16 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 300 | 300 | 300 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 2 | 2 | 3 | 3 | 2 |

**मौसम सारांश / चेतावनी :**

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 20 से 24 अप्रैल के दौरान आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 39–41 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है जिसके चलते दोपहर में लू की स्थिति बन सकती है। न्यूनतम तापमान 24–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 35 से 55 प्रतिशत तथा दोपहर में 15 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में औसत 14–16 किमी/घंटा की रफतार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

**सामान्य सलाह :**

आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए सब्जियों की नर्सरी, जायद फसलों तथा फलों के बगीचों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करें।

**लघु संदेश सलाह :**

रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर जमीन को छोंड़ दें ताकि सूर्य की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें कीड़ों के अण्डे तथा घास के बीज नष्ट हो जायेंगे।

**फसल विशिष्ट सलाह :**

| | |
|---|---|
| चावल | ग्रष्मकालीन धान की फसल की बुआई के लिए खेत तैयार करें। |
| मूँग | विगत माह में बोयी गई मूंग व उरद की फसल में निकाई–गुराई एवं बछनी करें। इन फसलों में सघन रोमोवाली सुडिया की निगरानी करें। इनके सुडियों के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये |

| | |
|---|---|
| | जाते हैं। यह मूंग एवं उरद के पौधों के कोमल भागों विशेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी–कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान 50ई0सी0 दवा 2 मि0ली0/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस 20ई0सी0 दवा का 2.5 मि0ली0/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह :**

| | |
|---|---|
| तुरई | वर्तमान में बीजों के अंकुरण के लिए तापमान उपयुक्त है। यह तापमान फ्रेंच बीन, सब्जी लोबिया, भिंडी, लौकी, खीरा, तुरई आदि तथा गर्मी के मौसम वाली मूली की सीधी बुआई हेतु अनुकूल है। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। |
| आम | आम के पेड़ में मिलीबग(दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पाउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुत की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रू‍प से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाहः**

| | |
|---|---|
| गाय | पशुओं को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएं और गर्मी से उनकी रक्षा के लिए उन्हें छायादार स्थान पर बांधें। संकर नस्ल के पशुओं में थेलीरीलोसिस से बचाव के टीके लगवायें। सभी प्शुओं में गलघोटू एवं लंगड़ा बुखार से बचाव के टीके अवश्य लगवायें। |

**अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाहः**

| | |
|---|---|
| कृषि क्षेत्र | रबी फसल यदि कट चुकी है तो उसमें हरी खाद के लिए खेत में पलेवा करें। हरी खाद के लिए ढ़ैंचा, सनई अथवा लोबिया की बुवाई की जा सकती है। परंतु बंवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। |